Title: Need to celebrate the Tercentenary year of Nagpur in a big way.

श्री विलास मुत्तेमवार (नागपुर) : उपाध्यक्ष महोदय, जैसा आप जानते हैं कि नागपुर का ऐतिहासिक महत्व है। नागपुर महाराट्र की दूसरी राजधानी है। अगले वर्ा जनवरी में नागपुर अपनी स्थापना के 300 वर्ा पूरा करने जा रहा है। वर्ा 1702 में आदिवासी गोंड राजा भक्त बुलंद शाह ने 12 गांवों को इकट्ठा करके राजापुर बरसा नाम दिया था। उस राज्य की राजधानी नागुपर को बनाया था। नागपुर की जनता इस त्रिशताब्दी के अवसर को उत्साह के साथ बड़े पैमाने पर मनाना चाहती है। इस ऐतिहासिक क्षण के लिए कई योजनाएं राज्य सरकार ने बनाई हैं। इस अवसर को चार चांद लगाने के लिए नागपुर के लोग चाहते हैं कि केन्द्र सरकार भी कुछ पहल करे। वे चाहते हैं कि इस अवसर पर तीन रुपए का एक विशेा डाक टिकट और एक रुपए का विशेा सिक्का जारी किया जाए। इसके अलावा नागपुर-मुम्बई-कुर्ला एक्सप्रेास गाड़ी का नाम बदलकर त्रिशताब्दी एक्सप्रेस रखा जाए और टेरिटोरियल आर्मी के कार्यक्रमों को पुनर्स्थापित करके सीताबर्डी फोर्ट महाराट्र सरकार को सौंप दिया जाए। इसलिए नागपुर की जनता की भावनाओं का आदर करते हुए और इस अवसर की गरिमा को देखते हुए केन्द्र सरकार को इन सभी मांगों को स्वीकार करना चाहिए। नागपुर की संस्कृति और ऐतिहासिक धरोहर को बनाए रखने के लिए यह अत्यंत आवश्यक है। मुझे पूरा विश्वास है कि केन्द्र सरकार इस अवसर पर विशेा कार्यक्रम बनाएगी, ताकि नागपुर के त्रिशताब्दी समारोह में चार चांद लग सकें।

श्री चन्द्रनाथ सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, मेरा भी नोटिस है, बड़ा गम्भीर सवाल है।

उपाध्यक्ष महोदय : आपने इसी तरह बीच-बीच में बोलकर तीन-चार बार अपना मौका गंवा दिया है। जब मैं आपको अवसर दूंगा, तब आप अपनी बात कहें।

श्री चन्द्रनाथ सिंह : मैं रोज नोटिस दे रहा हूं।

उपाध्यक्ष महोदय : ऐसा नहीं होना चाहिए। अगर ऐसा होगा तो आपको मैं चांस नहीं दूंगा।